

पाठ-ग्यारह

खिलाड़ी : राष्ट्र के गौरव



मनोरंजन, मैत्री, संदेश, सम्मान, चुम्बक, बारीकी, उड़नपरी,
विख्यात, धाविका, प्रतियोगिता, स्वर्ण-पदक, ख्याति,
भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, अनुमान।

खेलों का सम्बन्ध स्वास्थ्य और मनोरंजन के साथ-साथ विश्व-शांति तथा विश्व-भाईचारे की भावना से भी है। जब एक देश के खिलाड़ी किसी दूसरे देश में खेलने जाते हैं, तो वे अपने साथ प्रेम, मैत्री और एकता का संदेश ले जाते हैं। खिलाड़ी जब जीतते हैं तो इससे देश का सम्मान भी बढ़ता है।

भारत भूमि ने विविध खेलों में नाम कमाने और देश का नाम ऊँचा करने वाले अनेक खिलाड़ियों को जन्म दिया है।



हॉकी का जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद का जन्म सन्, 1904 में हुआ था। जैसे लोहे का टुकड़ा चुम्बक की ओर खिंचा चला आता है, वैसे ही गेंद ध्यानचंद की हॉकी-स्टिक की ओर चली आती थी। एक बार गेंद पर कब्जा करने के बाद उसे गोल में पहुँचा कर ही छोड़ते थे। मेजर ध्यानचंद के कारण ही भारत ने एम्सटर्डम, लास एंजेलिस और बर्लिन ओलम्पिक में हॉकी का स्वर्ण-पदक जीता था। भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें 'पद्म-भूषण' अलंकरण प्रदान किया था।

महान क्रिकेट खिलाड़ी बीनू माकण्ड का जन्म 12 अप्रैल, 1917 ई. को जामनगर में हुआ था। उनका असली नाम मल्वानट्राइ माकण्ड था। स्कूल के साथी उन्हें वीनू कहकर बुलाते थे। बड़ा होने पर

भी यही नाम लोकप्रिय हुआ। वीनू माकण्ड क्रिकेट की बारीकी से परिचित होने के साथ-साथ एक अनुशासनप्रिय खिलाड़ी भी थे। उन्हें सन् 1935-36 ई. में अस्ट्रेलिया के विरुद्ध खेलने वाली भारतीय टीम में पहली बार स्थान दिया गया था।

भारत की उड़नपरी के नाम से दुनिया भर में विख्यात पी.टी. उषा का जन्म सन् 1964 ई. में हुआ था। अपने समय में वे भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला धाविका मानी जाती थीं। उन्होंने अनेक अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने देश के लिए स्वर्ण-पदक प्राप्त हुआ था।

खेल की दुनिया में स्वर्णभूमि मणिपुर भी किसी से पीछे नहीं है। इस राज्य के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति अर्जित की है। हॉकी में थोइबा, टिकेन और नीलकमल को भला कौन नहीं जानता। इन तीनों ने भारतीय हॉकी को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। भारोत्तोलन में कुंजरानी और सनामचा चनु का नाम संसार भर के खेल-प्रेमियों में आदर के साथ लिया जाता है। मुक्केबाजी में देश का गौरव बढ़ाने वाले दिङ्कू सिंह भी मणिपुर में ही जन्मे हैं। उनके महत्व का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि इम्फाल नगर की एक सड़क का नाम ही “दिङ्कू रोड” रख दिया गया है।



हमारे देश के खिलाड़ियों की मुख्य विशेषता है, खेल-भावना की रक्षा करना और टीम-भावना से खेलना। हमें महान खिलाड़ियों पर गर्व है।

प्रश्न-अभ्यास

1. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ समझिए :

मनोरंजन	=	मनबहलाव, दिल खुश होना।
मैत्री	=	मित्रता, दोस्त।
सन्देश	=	संवाद, आदेश, समाचार।
सम्मान	=	इज्जत, आदर, प्रतिष्ठा।
चुम्बक	=	एक तरह का पत्थर/लोहे को अपनी ओर खींचता है।
कब्जा	=	दखल, पकड़, काबू।
बारीकी	=	सूक्ष्मता।
विख्यात	=	प्रसिद्ध, मशहूर।
धाविका	=	दौड़ने वाली।
प्रतियोगिता	=	होड़, प्रतिद्वन्द्विता, प्रतियोगी होने का भाव।
पदक	=	तमगा, मेडल।
ख्याति	=	प्रसिद्धि, प्रशंसा।
भारोत्तोलन	=	वैट-लिफ्टिंग (वेट-लिफ्टिंग)।
मुक्केबाजी	=	घुँसों की लड़ाई।
अनुमान	=	अंदाजा।

2. उत्तर दीजिए :

- (क) खेलों का सम्बन्ध किससे है ?
- (ख) एक देश के खिलाड़ी जब किसी दूसरे देश में खेलने जाते हैं, तो वे क्या ले जाते हैं ?
- (ग) भारत भूमि ने कैसे खिलाड़ियों को जन्म दिया है ?
- (घ) मेजर ध्यानचंद कौन थे ?
- (ङ) हॉकी के खेल में मेजर ध्यानचंद की क्या विशेषता थी ?
- (च) राष्ट्रपति ने ध्यानचंद को कौन-सा अलंकरण प्रदान किया था ?

- (छ) वीनू माकण्ड कौन थे और उनका जन्म कहाँ हुआ था ?
 (ज) वीनू का असली नाम क्या था ?
 (झ) वीनू माकण्ड कैसे खिलाड़ी थे ?
 (ञ) भारत की उड़नपरी कौन थी ?
 (ट) मणिपुर के राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी कौन-कौन हैं ?
 (ठ) हमारे देश के खिलाड़ियों की मुख्य विशेषता क्या है ?
 (ड) राष्ट्रीय खेलों में मणिपुर के खिलाड़ियों के योगदान पर कुछ वाक्य लिखिए।
 (ढ) “खेल और खिलाड़ी” शीर्षक पर एक छोटा-सा लेख लिखने का प्रयास कीजिए।

3. वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

मैत्री	-----
सम्मान	-----
कब्जा	-----
अलंकरण	-----
बारीकी	-----
विख्यात	-----
अनुमान	-----

4. तालिका को ध्यान से देखिए, पढ़िए और खण्ड “क” और “ख” के वाक्यांशों को सही ढंग से जोड़ कर लिखिए :

क	ख
खिलाड़ी जब जीतते हैं भारत के राष्ट्रपति ने ध्यानचंद को वीनू माकण्ड अपने समय में पी.टी. उषा खेल की दुनिया में मणिपुर	एक अनुशासनप्रिय खिलाड़ी थे। किसी से पीछे नहीं है। भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला धाविका थीं। “पद्म-भूषण” अलंकरण प्रदान किया था। तो इससे देश का सम्मान भी बढ़ता है।

5. खाली जगह भरिए :

- (क) खिलाड़ी अपने साथ ----- सन्देश ले जाते हैं।
- (ख) गेंद ध्यानचंद की ----- चली आती है।
- (ग) बड़ा होने पर भी ----- हुआ।
- (घ) हॉकी में ----- को भला कौन नहीं जानता।
- (ङ) इम्फाल नगर की एक सड़क ----- रख दिया गया है।
- (च) हमें ----- गर्व है।

6. ध्यान से देखिए और खण्ड “क” और “ख” के शब्दों को सही रूप में मिलाकर लिखिए :

क	ख	क	ख
ध्यानचंद	मुक्केबाज	-----	-----
कुंजरानी	धाविका	-----	-----
पी.टी. उषा	हॉकी	-----	-----
दिङ्कू	क्रिकेट	-----	-----
वीणु माकण्ड	हॉकी	-----	-----
नीलकमल	भारोत्तोलन	-----	-----

7. पढ़िए और समझिए :

वीनु माकण्ड क्रिकेट की बारीकियों से परिचित होने के साथ-साथ एक अनुशासन प्रिय खिलाड़ी भी थे।

तोम्बा फुटबॉल का खिलाड़ी है, साथ-साथ हॉकी भी खेलता है।

हम पिता होने के साथ-साथ किसी माँ के पुत्र भी हैं।

वह बड़ा होने के साथ-साथ काफी चतुर भी हो गया है।

मैं अध्यापिका होने के साथ-साथ माँ भी हूँ।

“साथ-साथ ----- भी” का प्रयोग करते हुए तीन वाक्य बनाइए :

8. -----

